शिव ही सत्य है शिव ही सुन्दर भजन लिरिक्स

शिव ही सत्य है,
शिव ही सुन्दर,
शिव ही सब गुण आगर है,
भोले दानी भोलेनाथ,
शिव जी तो दया के सागर है,
शिव जी तो दया के सागर है।bd।

तर्ज – एक हरि को छोड़ किसी की।

गौरी पति शिव हर हर शम्भु,
जय कैलाशी भजा करो,
ॐ नमः शिवाय निरंतर,
मन ही मन में जपा करो,
नीलकंठ विष पिने वाले,
शिव अमृत के गागर है,
भोले दानी भोलेनाथ,
शिव जी तो दया के सागर है,
शिव जी तो दया के सागर है।bd।

शिव का अद्भुत रूप निराला,
गले में सर्पों की माला,
तन पे भस्म रमाए जोगी,
मस्तक चंद्र है उजियारा,
जटा में सोहे गंगा जिनकी,
ऐसे शिव गंगाधर है,
भोले दानी भोलेनाथ,
शिव जी तो दया के सागर है,
शिव जी तो दया के सागर है।bd।

अंत वही आरम्भ वही,
शिव से ही सारी सृष्टि है,
'उर्मिल' वो तो है बड़भागी,
जिस पर इनकी दृष्टि है,
सारे जग में शिव की सत्ता,
भोले दानी भोलेनाथ,
शिव जी तो दया के सागर है,

Bhajan Diary Lyrics,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

शिव जी तो दया के सागर है।bd।

शिव ही सत्य है,
शिव ही सुन्दर,
शिव ही सब गुण आगर है,
भोले दानी भोलेनाथ,
शिव जी तो दया के सागर है,
शिव जी तो दया के सागर है।bd।

Singer – Saurabh Madhukar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com